

वार्तालाप नं.1251, हैदराबाद, भाग-1, तारीख-20.11.11
Disc.CD No.1251, dated 20.11.11 at Hyderabad, Part-1
Extracts

(समय:-00:06:29-00:07:54)

जिज्ञासु – बाबा, प्रकाशमणी दादी कितना जन्म हुए?

बाबा – कितना जन्म हुए? कौनसे धर्म की है? वो कौनसे धर्म की मुखिया बनेंगी?

जिज्ञासु – इस्लाम धर्म।

बाबा – कैसे मालूम?

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा – हाँ, क्योंकि उनका लक्ष्य था कि मैं ब्रह्मा बाबा की गद्दीनशीन बनूँ। तो ब्रह्मा बाबा कितने जन्म लेते हैं? 84 बर्थ लेते हैं। तो उनका जो बच्चा बनेगा, उनकी गद्दी का मालिक बनेगा चाहे कुमारका दादी हो, चाहे उनका सर्विस का संगी-साथी हो वो एक जन्म कम लेगा या ज्यादा लेगा?

जिज्ञासु – कम।

बाबा – एक जन्म कम लेगा। क्योंकि बाप का एक जन्म ज्यादा होता है और बच्चे का एक जन्म कम होता है। तो कितने जन्म लेंगी? 83 जन्म लेंगी।

Time: 6.29-7.54

Student: How many births did Prakashmani Dadi have?

Baba: How many births did she have? To which religion does she belong? She will become the head of which religion?

Student: Islam.

Baba: How do you know?

Student said something.

Baba: Yes because her very goal was: I should succeed the throne of Brahma Baba. So, how many births does Brahma Baba have? He has 84 births. So, the one who becomes his son, the one who becomes the master of his throne, whether it is Kumarika Dadi or her companion in service, will they have one birth less or one birth more?

Student: Less.

Baba: He will have one birth less because the father has one birth more and the child has one birth less. So, how many births will she have? She will have 83 births.

(समय:-00:07:59-00:10:37)

जिज्ञासु – बाबा, गीता का भगवान सिद्ध करने के लिए कोर्ट में कैसे केस डालना है?

बाबा – कोर्ट में कैसे केस डालना?

जिज्ञासु – माना गीता का असली भगवान सिद्ध करना....

बाबा – गीता के ही श्लोक रख दो कि इन गीता के श्लोकों में भगवान को निराकार बताया है, अभोक्ता बताया है, अजन्मा बताया है या साकार बताया है, जन्म लेने वाला बताया है? उसका जन्म-मृत्यु होता है क्या? तो गीता का भगवान कौन सिद्ध हुआ? निराकारी स्टेज वाला सिद्ध होगा या साकार सिद्ध होगा?

जिज्ञासु – निराकार।

बाबा – निराकार ही सिद्ध हो सकता है। ये प्वाइन्ट गीता में उठानी चाहिए।

जिज्ञासु – माना किस प्रकार से केस डालना है?

बाबा – अरे, बताया ना। जो गीता के ही श्लोक हैं वो गीता के ही श्लोक डाल दिये जायें, उनका अर्थ समझाकर बताया जाये कि गीता में तो ऐसे लिखा है कि मैं सर्वव्यापी नहीं हूँ।

पूरा का पूरा श्लोक ही बता दिया कि मैं परमधामवासी हूँ, फिर सर्वव्यापी कैसे हो गया? वो तो एकव्यापी होकर इस सृष्टि में प्रत्यक्ष होता है, एकव्यापी होकर के इस सृष्टि पर सदा कायम रहता है शक्ति के आधार पर। शक्ति है याद की। तो याद निराकारी होती है या साकार होती है? याद तो निराकारी होती है। निराकार को सिर्फ याद किया जा सकता है। साकार को याद भी कर सकते हैं और हर प्रकार से अनुभव भी कर सकते हैं लेकिन निराकार को अनुभव नहीं कर सकते। वो सुख-दुःख दोनों से न्यारा है। साकार के द्वारा सुख भी मिलता है, दुःख भी मिलता है। कोई नहीं कहेगा निराकार से हमको दुःख मिलता है।

Time: 7.59-10.37

Student: Baba, how should we file a case in the court to prove God of the Gita?

Baba: How should you file a case in the court?

Student: I mean to say that in order to prove the true God of the Gita...

Baba: Present the *shlokas* (verse) of the Gita [and asks them:] In these *shlokas* has God been described as incorporeal, *abhokta*¹, *ajanma*² or has He been described as corporeal, the one who is born? Is He born and does He die? So, who is proved to be God of the Gita? Is it the One with an incorporeal *stage* or is it the corporeal one?

Student: Incorporeal.

Baba: The incorporeal One alone can be proved to be [God]. This point from the Gita should be raised.

Student: I mean to ask: How should you file the case?

Baba: Arey, it has been said, hasn't it? The very *shlokas* of the Gita should be quoted; their meanings should be explained that it has been written in the Gita 'I am not omnipresent'. It has been mentioned in a complete *shloka* 'I am a resident of *Paramdhaam* (the Supreme Abode)', then how can I be omnipresent? He is revealed in this world being present in one (*ekvyaapi*) [person]; He always remains present in this world as *ekvyaapi* through His power. The power is of remembrance. So, is remembrance incorporeal or corporeal? Remembrance is anyway incorporeal. The incorporeal One can only be remembered. The corporeal one can be remembered and he can also be experienced in every way, but incorporeal One cannot be experienced. He is beyond both happiness and sorrow. You get happiness as well as sorrow from the corporeal one. Nobody will say 'I get sorrow from the incorporeal One'.

(समय:—00:11:57—00:14:49)

जिज्ञासु – हम सब लोग आत्मार्ये हैं तो बाहर वाले भगवान के क्यों हैं?

बाबा – बाप के छोटे बच्चे और बड़े बच्चे दोनों ही होते हैं या बड़ा बच्चा ही बाप का होता है? बाप के तो छोटे बच्चे जो बाद में पैदा होते हैं वो भी बाप के बच्चे हैं और जो बड़े बच्चे हैं वो भी बाप के बच्चे हैं। तो यही बात है। जो इस सृष्टि पर बाद में आत्मार्ये आती हैं, विदेशों में आती हैं, विदेशों में ज्यादा जन्म-मरण के चक्र लगाती हैं वो बादवाली आत्मार्ये भी बाप के बच्चे हैं और जो पहले आते हैं वो भी बाप के बच्चे हैं। भगवान के तो सभी बच्चे हैं। वो भगवान निराकार है या साकार है?

जिज्ञासु – निराकार।

बाबा – वो भगवान निराकार है। वो ज्योतिर्बिंदु के बच्चे, ज्योतिर्बिंदु आत्मार्ये—2 पाँच सौ करोड़ मनुष्य आत्मार्ये सब भगवान के बच्चे हैं लेकिन जो पहले नम्बर में आते हैं, पहले—2 परमधाम घर से आते हैं बाप की सृष्टि रूपी दुकान संभालने के लिए वो भगवान से ज्यादा

¹ The one who does not enjoy pleasures

² The one who is not born

प्राप्ति करते हैं या बाद वाले ज्यादा प्राप्ति करते हैं? जो पहले-2 आते हैं वो भगवान से जन्म-जन्मांतर की ज्यादा सुख की प्राप्ति करते हैं। इसलिए कह सकते हैं कि पहले-2 भगवान किसका है? भारत में भी बड़े बच्चों को राजाई मिलती रही या छोटों को राजाई दी गई?

जिज्ञासु – बड़े।

बाबा – बड़ों को दी गई क्योंकि जितने बड़े होते हैं उनमें प्योरिटी की पाँवर ज्यादा होती है। यहाँ भी ऐसे है। भारत पुराना देश है, जो भारतवासी बच्चे हैं वो पुराने बच्चे हैं। पुराने ते पुराने हैं इसलिए भगवान से ज्यादा प्राप्ति करते हैं। तो बच्चे को ये प्रश्न आता है कि हमारा बाप है; उनका बाप भगवान कहाँ से हो गया? वो क्यों कहते हैं हमारा भगवान?

Time: 11.57-14.49

Student: We all are souls; then why do the outsiders belong to God?

Baba: Does a father have younger children as well as elder children or does only the elder child belong to the father? The younger children of the father who are born later are also the father's children and the elder children are also the father's children. So, this is the topic. The souls that come to this world later on, in the foreign countries, pass through the cycle of birth and death more in the foreign countries, those latter souls are also the Father's children and those who come first are also the Father's children. All are God's children. Is that God incorporeal or corporeal?

Student: Incorporeal.

Baba: That God is incorporeal. Those children of the Point of light, the point of light souls, the five hundred crore human souls, all are God's children, but do those who come in the first number, those who come from the Supreme Abode home first of all in order to take care of the shop like world of the Father achieve more attainments from God or do the latter ones achieve more? Those who come first of all achieve more happiness of many births from God. This is why it can be said: Whom does God belong to first of all? Even in India did the elder sons receive kingship or was the kingship given to the younger ones?

Student: The elder ones.

Baba: The elder ones were given [the kingship] because all the elder ones have more *power of purity*. Even here it is like this. India is an ancient country; the Indian children are old children. They are the oldest ones; this is why they achieve more attainments from God. So, this child gets a question that when He is our Father; how is He their Father? Why do **they** say 'our God'?

(समय:-00:15:49-00:16:54)

प्रश्न – बाबा के दिल पर चढ़ने के लिए क्या करना है?

बाबा-बाबा के दिल पर कितने चढ़ते हैं और सर पर कितने चढ़ते हैं? अरे, कोई संख्या है या नहीं है?

जिज्ञासु – है बाबा।

बाबा – कितने?

जिज्ञासु – आठ और उसके भी ऊपर गंगा।

बाबा – आठ सर पर चढ़ते हैं। अरे, गंगा तो फिर नीचे भी उतर जाती है। तो चढ़ना-2 उतरना एक बात हो गई। तो आठ सर पर चढ़ते हैं और एक सौ आठ दिल पर चढ़ते हैं। जो दिल पर चढ़ते हैं वही फिर जन्म-जन्मान्तर राजायें बनते हैं। बाप का वर्सा है ही राजाई।

Time: 15.49-16.54

Question: What should we do to find a place in Baba's heart?

Baba: How many find a place in Baba's heart and how many find a place on His head? *Arey*, is there any number or not?

Student: There is, Baba.

Baba: How many?

Student: Eight and above them is the Ganges.

Baba: The eight climb on the head. *Arey*, later on the Ganges climbs down as well. So, her climbing and descending is one and the same. So, eight climb on the head and one hundred and eight find a place in His heart. Only those who find a place in His heart become kings for many births. The very inheritance of the Father is kingship.

(समय:-00:17:03-00:18:08)

जिज्ञासु – ये सप्त स्वर क्या हैं? राधा सप्त स्वर बजाती है।

बाबा – सात नारायण हैं ना। तो सात नारायण सात प्रकार का ज्ञान सुनावेंगे या एक ही प्रकार का ज्ञान सुनावेंगे?

जिज्ञासु – सात।

बाबा – सात प्रकार का ज्ञान सुनाते हैं तो उनके सात स्वर हो गये। राधा सम्पन्न स्टेज का नाम है, संगमयुगी पुरुषार्थी का नाम है और सरस्वती? सरस्वती किसका नाम है? किसको फालो किया? अधूरे ब्रह्मा को फालो किया तो वो एक ही तार में बोलेगी या सात स्वर में बोलेगी?

जिज्ञासु – एक ही तार।

बाबा – एक ही ब्रह्मा का तार। जो ब्रह्मा ने बोला वो, सो सरस्वती बोलेगी।

Time: 17.09-18.08

Student: What are the seven musical notes (*sapta svar*)? Radha plays the seven musical notes.

Baba: There are seven Narayans, aren't there? So, will the seven Narayans narrate seven kinds of knowledge or will they narrate only one kind of knowledge?

Student: Seven.

Baba: They narrate seven kinds of knowledge; so they are the seven musical notes. Radha is the name of the perfect *stage*; it is the name of the Confluence Age *purusharthi* (those who make spiritual effort) and what about Saraswati? Whose name is Saraswati? Whom did she *follow*? She followed the incomplete Brahma; so, will she speak in one tune or in seven tunes?

Student: Only in one tune.

Baba: Only one tune of Brahma. Saraswati will speak whatever Brahma spoke.

(समय:-00:20:35-00:22:34)

जिज्ञासु – बाबा, मुरलियों में समझाया है योगियों का हार्टफेल नहीं होता। और ब्रह्मा बाबा ने शरीर छोड़ा हार्टफेल से। तो ब्रह्मा बाबा को क्या कहेंगे?

बाबा – क्या कहेंगे? योगी कहेंगे या वियोगी कहेंगे?

जिज्ञासु – उन्होंने पूरा जीवन बाबा की सेवा में लगाया।

बाबा – बाबा की सेवा में लगाया। बाबा को पहचानते थे? बाबा एकव्यापी है या पाँच सौ करोड़ व्यापी है?

जिज्ञासु – एकव्यापी।

बाबा – तो एकव्यापी को उन्होंने पहचाना? अगर पहचाना होता तो संस्था का नाम ब्रह्माकुमारी विद्यालय रखते या प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विद्यालय रखते? क्या रखते? प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विद्यालय रखते। लेकिन प्रजापिता को तो वो भूल ही गये।

जिज्ञासु – ये बात मानना बहुत मुश्किल है।

बाबा – हाँ, जो उनके धर्म के होंगे उनके लिए मुश्किल होगी। जो सूर्यवंशी बाप के बच्चे होंगे उनके लिए बहुत सहज होगी। खून काम करता है कि नहीं?

जिज्ञासु – करता है।

बाबा – करता है।

जिज्ञासु – हर पल कोशिश करने के बाद भी...

बाबा – हाँ, वो ही बात।

Time: 20.35-22.34

Student: It has been explained in the murlis that the yogis do not suffer heart failure. And, Brahma Baba left his body due to heart failure. So, what will Brahma Baba be called?

Baba: What will he be called? Will he be called a *yogi* or a *viyogi*³ (separated)?

Student: He devoted his entire life to Baba's service.

Baba: He devoted [his life] to Baba's service. Did he recognize Baba? Is Baba present in one (*ekvyaapi*) [being] or is He present in five hundred crore [people]?

Student: Present in one [being].

Baba: So, did he recognize the *ekvyaapi*? Had he recognized, would he name the institution Brahmakumari Vidyalay or Prajapita Brahmakumari Vidyalay? What would he name it? He would name it Prajapita Brahmakumari Vidyalay. But he completely forgot Prajapita.

Student: It is very difficult to accept this.

Baba: Yes, it will be difficult for those who belong to his religion. It will be very easy for those who are the children of the *Suryavanshi* Father. Does the blood work or not?

Student: It works.

Baba: It works.

Student: Despite trying every moment...

Baba: Yes, the same thing. ☺

दूसरा जिज्ञासु – माना बाबा उसका प्रूफ पूछ रहे हैं वो।

बाबा – प्रूफ है ना। किस बात का प्रूफ? क्या बात का प्रूफ ?

जिज्ञासु – ब्रह्माबाबा हार्टफेल...

बाबा – हार्टफेल नहीं हुआ?

जिज्ञासु – हुआ, उसका प्रूफ पूछ रहे हैं?

बाबा – प्रूफ मुरलियों में आया। पहली बुलेटिन निकली उसमें लिखा है डॉक्टर को बुलाया जब तक डॉक्टर आया तो डॉक्टर ने बताया इनका हार्टफेल हो गया।

जिज्ञासु – कौनसी मुरली का डेट है?

बाबा – अरे, बुलेटिन है पहले नम्बर की। घत तुम्हारी...

Student: I mean to say Baba, that they want a proof for that.

Baba: There is proof, isn't it there? Proof for what? Proof of what?

Student: Brahma Baba had a heart failure.

Baba: Did he not suffer heart failure?

Student: He did; they are asking a proof for that.

Baba: The *proof* was mentioned in the murlis. The first *bulletin* was issued; it is written in it that the doctor was called; by the time he came... he said that he (Brahma Baba) suffered heart failure.

³ Distressed by separation (from a beloved one)

Student: What is the date of the murli?

Baba: *Arey*, it is the first *bulletin* ...

(समय:—00:23:43—00:26:58)

जिज्ञासु — जहाँ धन होगा, तन होगा वहाँ ही मन होगा। तो फिर ब्रह्मा बाबा का तन और धन यज्ञ में ही था ना।

बाबा — ब्रह्मा बाबा का तन किसमें रहा?

जिज्ञासु — यज्ञ की सेवा में।

बाबा — यज्ञ की सेवा? यज्ञपिता कौन है? अरे! अरे, यज्ञपिता कौन है?

जिज्ञासु — शिवबाबा।

बाबा — शिवबाबा का प्रैक्टिकल रूप कौन है? अरे, यज्ञ के आदि में ब्रह्मा बाबा को कोई से ज्ञान का बीज मिला या नहीं मिला कि ऐसे ही पैदा हो गये? जिससे ज्ञान का बीज मिला वो ही उनका यज्ञपिता हो गया। अरे, यज्ञ तो ज्ञान यज्ञ है ना। रुद्र ज्ञान यज्ञ कहते हैं ना। यज्ञ ईंटों के मकान को थोड़े ही कहा जाता है।

जिज्ञासु — लेकिन उनके मुख से जो वाणी निकली वही उसका आधार बना है ना बाबा।

बाबा — वाणी क्या निकली है?

जिज्ञासु — मुरली।

बाबा — निकले तो वेद भी हैं। वेदों को तुम समझते हो? कहीं एक श्लोक का भी अर्थ जानते? जब अर्थ ही नहीं जानते तो आधार बनायेंगे? अरे, वेद निकले हैं कि नहीं निकले हैं? जैसे ब्रह्मा के मुख से वेद निकले भक्तिमार्ग में ऐसे बताया। ऐसे ही ब्रह्मा के मुख से ब्राह्मणों की दुनिया में मुरली के महावाक्य निकले। वो हमारे वेद हो गये।

Time: 23.43-26.58

Student: The mind will be wherever there is wealth and body. So, Brahma Baba's body and wealth was in the *yagya* itself, wasn't it?

Baba: Where was Brahma Baba's body engaged?

Student: In *yagya* service.

Baba: In *yagya*? Who is *yagyapita* (father of the *yagya*)? *Arey! Arey*, who is *yagyapita*?

Student: Shivbaba.

Baba: Who is the *practical* form of Shivbaba? *Arey*, in the beginning of the *yagya* did Brahma Baba receive the seed of knowledge from someone or not, or was he simply born? The one from whom he received the seed of knowledge is his *yagyapita*. *Arey*, *yagya* is the *yagya* of knowledge, isn't it? It is said *Rudra Gyan Yagya* (*Yagya* of the knowledge of Rudra), isn't it? A house made of bricks is not called *yagya*.

Student: But the versions that emerged from his mouth became the support, didn't it, Baba?

Baba: What versions emerged?

Student: Murli.

Baba: The Vedas have also emerged. Do you understand the Vedas? Do you know the meaning of even one *shlok*? When you don't know the meaning at all, then will you make them your support? *Arey*, did the Vedas emerge or not? For example, it was said in the path of *bhakti* that the Vedas emerged from the mouth of Brahma. Similarly, the great sentences of the murli emerged from the mouth of Brahma Baba in the world of Brahmins. They are our Vedas.

जिज्ञासु — एडवॉन्स का ज्ञान उसी पर आधारित है ना बाबा।

बाबा — अरे, तो भगवान दूसरा बनाया जायेगा क्या? उसके अर्थ को तो नहीं जानते। जब अर्थ ही नहीं... कोई व्यक्ति है रामायण की चौपाईयाँ रट-2 के सुनाता है, गीता के श्लोक

रट-2 के सुनाता है, महाभारत के श्लोक भी याद है वो रट के सुनाता है; अर्थ कुछ भी पता नहीं। तो लोग उसको मानेंगे या उसके अर्थ को व्याख्या कर के समझने और समझाने वाले को मानेंगे? समझ को ज्ञान कहा जाता है या तोता रटत को ज्ञान कहा जाता है? ज्ञान किसको कहा जाता है? तोता अगर कोई श्लोक बोलता रहे तो तोते को ज्ञानी कहेंगे? नहीं। ऐसे ही है कि ब्रह्मा के मुख से भगवान ने आकर के टेक्स्ट बुक तो सुनाई लेकिन वो टेक्स्ट बुक अधूरी है अगर कोई के समझ में नहीं आई तो। इसलिए समझ में लाने के लिए भगवान को फिर टीचर का रूप धारण करना पड़ता है। बाप भी है और टीचर भी है, फिर करन करावनहार सदगुरु भी है।

Student: It is on them that the Advance knowledge is based, isn't it, Baba?

Baba: Arey, then will you make another God? He doesn't know its meaning. When the meaning itself... there is a person; he learns the *caupaais*⁴ of the Ramayana by heart and narrates them, he learns the *shloka* of the Gita by heart and narrates them; he remembers the *shloka* of the Mahabharata as well; he learns them by heart and narrates them; but he does not know its meaning. So, will people believe him or will people believe in someone who understands and explains their meanings by interpreting them? Is understanding called knowledge or is parroting (*totaa ratant*) [something] called knowledge? What is called knowledge? If a parrot keeps narrating a *shloka*, will it be called knowledgeable? No. Similarly, God came and narrated the *text book* through the mouth of Brahma, but if it is not understood by anyone, then that *text book* is incomplete. This is why God has to take on the form of a *teacher* to make [the children] understand it. He is the Father as well as the *Teacher*; then He is also the *Sadguru* who is *Karan-karaavanhaar*⁵.

(समय:-00:27:37-00:28:38)

जिज्ञासु – सदगुरु का पार्ट बजने के बाद राजधानी स्थापन होगी या...

बाबा – अच्छा! गुरु का काम है रास्ता दिखाना, सदगुरु का काम है सच्चा रास्ता दिखाना। तो सच्चा रास्ता दिखाने वाला जो सदगुरु है वही तो सदगति देने वाला है। पहले बुद्धि की सदगति करेगा या शरीर की और शरीर की कर्मेन्द्रियों की सदगति पहले हो जायेगी?

जिज्ञासु – मन-बुद्धि की।

बाबा – वो मन-बुद्धि की सदगति करता है। जब मन-बुद्धि की सदगति होती है तो सच्चा काम करेंगे या झूठा काम करेंगे?

जिज्ञासु – सच्चा।

बाबा – सच्चा काम करेंगे कर्मेन्द्रियों से। सच्चा काम करेंगे तो सतयुग की राजधानी स्थापन होगी, झूठे काम करेंगे तो राजधानी सतयुगी की स्थापन होने वाली नहीं है।

Time: 27.37-28.38

Student: Will the kingdom be established after the part of the *Sadguru* has been played or.....

Baba: *Acchaa!* ☺ The guru's task is to show the path; the *Sadguru's* task is to show the **true** path. So, the *Sadguru* who shows the true path is Himself the Giver of *sadgati* (true salvation). Will He first bring the *sadgati* of the intellect or will the *sadgati* of the body and the *karmendriyaan*⁶ of the body take place first?

Student: Of the mind and intellect.

⁴ A particular type of quatrain having 30 *matras* per line.

⁵ The one who acts and makes the others act

⁶ Parts of the body used to perform actions

Baba: He brings the *sadgati* of the mind and intellect. When the *sadgati* of the mind and intellect takes place, then will you perform a true task or a false task?

Student: True.

Baba: You will perform true tasks through the *karmendriyaan*. If you perform the true task, the capital of the Golden Age will be established; if you perform false tasks, the Golden Age capital is not going to be established.

(समय:—00:28:41—00:34:22)

जिज्ञासु – बाबा, 1960 और 68 के बीच में प्रजापिता का पार्ट किसका है?

बाबा – प्रजापिता का जो पार्ट है वो एक होता है ओरिजनल और एक ऐसे होता है जैसे कि प्रिंसिपल चला जाता है छुट्टी पर साल, दो साल तो वाईस प्रिंसिपल को महत्व दे दिया जाता है, लकबा दिया जाता है। ऐसे ही प्रजापिता यज्ञ के आदि में चला गया तो उनका टाईटल किसको मिल गया? ब्रह्मा बाबा को टाईटिल मिल गया। कब तक के लिए टाईटिल मिल गया? जब तक वो जीवित रहे तब तक के लिए टाईटिल मिल गया 68–69 तक, तो वो प्रजापिता थे। कार्यवाहक प्रजापिता थे या ओरिजनल थे? कार्यवाहक थे। इसलिए पहले ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्व विद्यालय लिखा जाता था। आश्रम का नाम क्या लिखा जाता था? ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। बाद में मुरली में शिवबाबा ने बोला तुम बच्चे अपने को ब्रह्माकुमार–ब्रह्माकुमारी कहलाते हो, ये रांग बात है।

Time: 28.41-34.22

Student: Baba, who plays the part of Prajapita between 1960 and 68?

Baba: As regards Prajapita's *part*, one is *original* and the other is just like a *principal* goes on leave for a year or two, then the *vice principal* is given importance, he is given the post. Similarly, when Prajapita departed in the beginning of the *yagya*, who received his *title*? Brahma Baba got the *title*. For how long did he get the *title*? He got the *title* till 68-69 as long as he was alive; so he was Prajapita. Was he the acting (*kaaryavaahak*) Prajapita or the *original* one? He was the acting [Prajapita]. This is why the name Brahmumari Ishvariya Vishwa Vidyalay used to be written. What was the name of the ashram written as? Brahmakumari Ishvariya Vishwa Vidyalay. Later on Shivbaba said in the murli that you children call yourselves Brahmakumar-Brahmakumari. This is *wrong*.

कोई से पूछा जाये तुम किसके बच्चे हो? तो कहे हमारी अम्मा का नाम ये है। तो लोग हँसेंगे, हँसी उड़ायेंगे या खुश हो जायेंगे? हँसी उड़ायेंगे। इसे अपने बाप का नाम तो मालूम ही नहीं है। अच्छी बात नहीं है ये। तो शिवबाबा ने बच्चों को समझाया। क्या समझाया? 64–65 से ये मुरली निकलना शुरू हुई कि ब्रह्माकुमार–ब्रह्माकुमारी न लिखो। क्या लिखो? प्रजापिता ब्रह्माकुमार–ब्रह्माकुमारी। आश्रम का नाम भी ब्रह्माकुमारी विद्यालय मत लिखो। क्या लिखो? प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। इसलिए जो पुराने चित्र है झाड़ और त्रिमूर्ति का उसमें जो नाम दिये हुए है संस्था का वो क्या नाम दिया हुआ है? ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। और जो बाद में चित्र बना है 65 के बाद सीढ़ी का चित्र उसमें नाम क्या लिखा है? प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। तो भी आधी श्रीमत उठाई और आधी श्रीमत नहीं उठाई। क्या? ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की जगह प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ये नाम तो लिखा लेकिन अपने नाम के आगे ब्रह्माकुमार–ब्रह्माकुमारी ही लिखते रहे। प्रजापिता शब्द नहीं लिखा। आज तक भी नहीं लिख रहे हैं। तो सही बात है या गलत बात है?

जिज्ञासु – गलत।

If anyone is asked: 'Whose child are you?' And he says: 'My mother's name is this', then will people laugh, will they make fun of him or will they be happy? They will make fun of him [saying:] This one does not know his father's name at all. This is not good. So, Shivbaba explained to the children. What did He explain? This murli began to be narrated from 64-65 that you shouldn't write Brahmakumar-Brahmakumari. What should you write? Prajapita Brahmakumar-Brahmakumari. Do not write the ashram's name as Brahmakumari Vidyalay. What should you write? Prajapita Brahmakumari Ishvariya Vishwa Vidyalaya. This is why in the old pictures of the Tree and Trimurty, the name of the institution that has been mentioned; what name has been mentioned? Brahmakumari Ishvariya Vishwa Vidyalay. And what name has been mentioned in the picture of the Ladder that was prepared after 65? Prajapita Brahmakumari Ishvariya Vishwa Vidyalay. Still, they followed only half the shrimat, they did not follow the other half. What? They did write Prajapita Brahmakumari Ishvariya Vishwavidyalay instead of Brahmakumari Ishvariya Vishwa Vidyalay, but they continued to write just Brahmakumar-Brahmakumari before their name. They did not add the word Prajapita. Even to this day they are not writing it. So, is it correct or wrong?

Student: Wrong.

बाबा – गलत कैसे? उन्हें मालूम ही नहीं है। जब पक्का निश्चय हो तभी तो लिखेंगे। तो जिसको मालूम ही नहीं है वो लिखे कहाँ से?

जिज्ञासु – आगे चल के प्रजापिता शब्द भी नहीं यूज करेंगे ना।

बाबा – हाँ, वो नाम भी नहीं लेना चाहते। पहले फिर भी नाम पिऊ का लेते थे। पिऊ माना बाप। अभी तो? अभी तो नामनिशान खतम कर दिया। जैसे मुरली में वाक्य आया है लाश भी गुम कर दी ताकि नामनिशान खतम हो जाये।

जिज्ञासु – लाश का बेहद का अर्थ?

बाबा – हर बात का बेहद का अर्थ। कान का बेहद का अर्थ, नाक का बेहद का अर्थ, चश्मे का बेहद का अर्थ, दांत का बेहद का अर्थ। लाश माना मुर्दा।

जिज्ञासु – सच में बोल रहे हैं?

बाबा – हाँ।

जिज्ञासु – मर्डर किया? हत्या हो गई?

बाबा – अरे, जो हत्या... युद्ध होता है तो युद्ध में हत्यायें होती हैं या वीरगति प्राप्त होती हैं? युद्ध में हत्यायें होती हैं या वीरगति होती है?

जिज्ञासु – वीर गति।

बाबा – वीरगति होती है। हत्या क्यों? हत्या में तो हत शब्द है, हत तेरी की। वो तो खराब बात हो गई। ये तो सच्चाई के लिए वीरगति प्राप्त हुई। ये बेहद का युद्ध है। वो दुनिया में द्वापरयुग से होते रहे हद के युद्ध और हम बच्चे कौनसा युद्ध लड़ते हैं? हम सच्चाई के लिए युद्ध लड़ते हैं। ये बेहद का युद्ध है। ये युद्ध जो लड़ते हैं उनको बेहद की क्या प्राप्त होती है? वीरगति प्राप्त होती है।

Baba: How is it wrong? They do not know at all. They will write only when they have firm faith. So, how will someone who doesn't know [Prajapita] at all write [his name]?

Student: In future they will not use the word 'Prajapita' either, will they?

Baba: Yes, they do not even want to take the name. Earlier, they still took the name of Piu. Piu means father. Now, now they have removed even his name and trace. For example, a sentence has been mentioned in the murli that even the corpse was hidden so that the name and trace perishes.

Student: What is meant by *laash* (corpse) in the unlimited?

Baba: Unlimited meaning of every thing! ☺ Unlimited meaning of ears, unlimited meaning of nose, unlimited meaning of glasses, unlimited meaning of teeth. *Laash* means corpse.

Student: Are you speaking about the reality?

Baba: Yes.

Student: Was he murdered?

Baba: *Arey*, as regards murder... when a war takes place, are people murdered in it or do they achieve martyrdom? Are people murdered in a battlefield or do they achieve martyrdom (*viirgati*)?

Student: They become martyrs.

Baba: They become martyrs. Why [should it be called] a murder (*hatyaa*)? In '*hatyaa*', there is the word '*hat*'; *hat tere ki*. That is something bad. He achieved martyrdom for the sake of truth. This is an unlimited war. In that world the limited wars were waged from the Copper Age and which war do we children fight? We fight a war for truth. This is an unlimited war. What unlimited attainment do those who fight this [unlimited] war achieve? They achieve martyrdom (*viirgati*).

(समय:—00:34:37—00:35:36)

जिज्ञासु – बाबा, इलाज की बात है कॉन्संट्रेशन।

बाबा – हाँ, ये जो आजकल हीलिंग कर रहे हैं ये क्या है? ये हीलिंग करना या रेकी करना या वो क्या नाम, और ऐसी—2 दो चार निकली है थैरेपी। वो कोई दूसरी चीज़ नहीं है कॉन्संट्रेशन ही है। उनका कॉन्संट्रेशन हद का है और हमारा कॉन्संट्रेशन बेहद का है क्योंकि हम बाप की याद में करते हैं। लेकिन प्रैक्टिस में फर्क पड़ जाता है। हमारी प्रैक्टिस एक सेकेण्ड की नहीं है; हमारी प्रैक्टिस जिंदगी भर की प्रैक्टिस है। याद थोड़े समय करेंगे या सारी जिंदगी करेंगे? सारी जिंदगी हमको याद करना है क्योंकि 63 जन्मों का हिसाब—किताब है।

Time: 34.37-35.36

Student: *Concentration* is a method of treatment.

Baba: Yes, what is this *healing* that they do nowadays? *Healing, reiki* or what is it called? Two-four such *therapies* are in practice. That is nothing else but just *concentration*. Their *concentration* is limited and our *concentration* is unlimited because we do it in the Father's remembrance. But there is a difference in *practice*. Our *practice* is not for a *second*; our *practice* is life long. Will you remember for a little while or throughout your life? We have to remember throughout our life because there are karmic accounts of 63 births.

समय—35.40—38.12

जिज्ञासु—बाबा, ये तो सच है ना कि ब्रह्मा बाबा ने त्याग किया है?

बाबा— हाँ, त्याग तो किया... जैसे गधा है। गधा सुबह से लेकर शाम तक मेहनत करता है। करता है या नहीं? (किसीने कहा—करता है।) सच्चाई से करता है या जबरदस्ती करता है? (किसीने कहा—जबरदस्ती।) हाँ, उसके ऊपर कुम्हार या घोबी का डंडा रहता है। तो जबरदस्ती करता है। कुमारका दादी के कंट्रोल में ब्रह्मा बाबा आए या नहीं आए? आए। तो जिसके कंट्रोल में आए उसकी सेवा की या भगवान को पहचानकर भगवान की सेवा की? भगवान का प्रैक्टिस रूप उन्होंने जाना क्या? कहेंगे कि भगवान की श्रीमत पर चले?

Time: 35.40-38.12

Student: Baba, it is true isn't it? – That Brahma Baba sacrificed himself?

Baba: Yes, he did sacrifice... for example, there is a donkey. A donkey works hard from morning till evening. Does he [work hard] or not? (Someone said: He does.) Does he do it truthfully or forcibly? (Someone said: Forcibly.) Yes, the potter or the washerman beats him with a cane. So, he does [hard work] forcibly. Did Brahma Baba come under the *control* of Dadi Kumarka or not? He did. So, the one in whose *control* he came, did he do service for him or did he recognize God and do service for Him? Did He recognize the *practical* form of God? Will it be said that he followed the *shrimat* of God?

जिज्ञासु—ब्रह्मा बाबा को फॉलो करने का डायरेक्शन दिया है।
बाबा—कर्मों में फॉलो करो लेकिन बात मेरी मानो। कर्मों में फॉलो इसलिए करो कि ब्रह्मा बाबा ने दूसरी शादी तो नहीं की। की क्या? नहीं की। तो तुम भी शादी दूसरी मत करो। संकल्प भी मत लाओ। ब्रह्मा बाबा ने अपने बच्चों को वर्सा नहीं दिया प्रैक्टिकल कर्मों में। तो हमें भी क्या करना है? अपने बच्चों को भी वर्सा नहीं देना है अगर ज्ञान में नहीं चलते हैं। ऐसे कर्मों में फॉलो करो। ऐसे नहीं उल्टा कर दो कि कर्मों में शंकर को फॉलो करो और डायरेक्शन ब्रह्मा बाबा के मानो।

Student: A direction to follow Brahma Baba has been given.

Baba: *Follow* him in actions but listen to My directions. [It was said] *follow* him in actions because Brahma Baba did not remarry. Did he remarry? He did not. So, you too, should not remarry. Don't even bring such thoughts [in your mind]. Brahma Baba did not give inheritance to his children in actions in practice. So, what should we also do? We also shouldn't give inheritance to even our children if they don't follow the knowledge. Follow him in actions in such a way. It shouldn't be that you do the opposite thing: Follow Shankar in actions and *follow* Brahma Baba's directions.

जिज्ञासु—उनकी सेवा किस श्रेणी में आयेगी?

बाबा—सेकेण्ड। नम्बर दो। वो नम्बर दो का वर्सा लेते हैं या अक्वल नम्बर का वर्सा लेते हैं? बाप से वर्सा लेते हैं या देवताओं से वर्सा लेते हैं? किससे वर्सा लेते हैं? (सभी ने कहा—देवताओं से।) बोलो ना। अरे, कौन प्रश्न कर रहा है? जो प्रश्न कर रहा है सो तो बोले। किससे वर्सा लेते हैं? (जिज्ञासु—देवताओं से।) देवताओं से वर्सा लेते हैं तो ऊँचा कौन हुआ? तुम ऊँचे हुए या ब्रह्मा बाबा ऊँचे हुए?

Student: In which category will his service be included?

Baba: *Second*, No.2. Does he take the No.2 inheritance or the No.1 inheritance? Does he obtain the inheritance from the Father or from the deities? From whom does He take the inheritance? (Everyone said: From the deities.) Speak up. *Arey*, who is asking the question? The one who is asking the question, speak up. From whom does he obtain the inheritance? (Student: From the deities.) He obtains the inheritance from the deities; so, who is high? Are you high or is Brahma Baba high?

जिज्ञासु—पर त्याग देखे तो...

बाबा—फिर वही त्याग—3। त्याग गधा करता है कुम्हार के लिए। आज के बड़े—2 ऑफिसरों से पूछा जाए तो वो कहते हैं हम कर्मयोगी है। हम कोई धर्म—वर्म को नहीं मानते हैं, हम तो कर्म को मानते हैं। हम अपने कर्म पर डटे हुए हैं। फिर उनसे कहा जाए — तुम कर्मयोगी हो तो गधा भी तो कर्मयोगी है या नहीं है? (किसीने कहा—है।) तो गधा वाले कर्मयोगी हो या ईश्वर के बच्चों ने ईश्वर से जो राजयोग सीखा, कर्मयोग सीखा वो कर्मयोगी हो? किसके अंडर में काम करते हो? वो भ्रष्टाचारी मिनिस्टर्स के अंडर में काम करते हो या श्रेष्ठाचारियों

के अंडर में काम करते हो? किसके अंडर में काम करते हो? भ्रष्टाचारी मंत्रियों के अंडर में रह करके काम करते हो।

Student: But as regards sacrifice...

Baba: Again the same thing, sacrifice. A donkey sacrifices himself for the potter. If you speak to the important officers of today they will say 'We are *karmayogi*⁷'. We don't have faith in any religion. We have faith in karma. We are firm in our karma. Then, if you ask them "You are *karmayogi*, then is a donkey also *karmayogi* or not?"... (Someone said: It is.) "So, are you *karmayogi* like a donkey or are you the *karmayogi* [who practice] the Raja yoga, the Karma yoga that the children of God learnt from God? *Under* whom do you work? Do you work *under* the corrupt ministers or do you work *under* those who are righteous? *Under* whom do you work? You work *under* the corrupt ministers."

(समय:-00:39:17-00:40:11)

जिज्ञासु – जब तक ब्रह्मा बाबा जीवित थे तब तक भगवान का रूप नहीं मालूम था ना।

बाबा – हाँ,

जिज्ञासु – तो ब्रह्मा बाबा को भी कैसे पता चलेगा भगवान का रूप यही है?

बाबा – जो ज्ञान देता है, वो भगवान ज्ञान देता है या शैतान ज्ञान देता है?

जिज्ञासु – भगवान।

बाबा – तो उन्हें किससे ज्ञान मिला?

जिज्ञासु – भगवान से।

बाबा – फिर? उन्हें भी तो भगवान से ही ज्ञान मिला था लेकिन देह अहंकार के कारण उस बात को भूल बैठे। उनको देह अहंकार ये चढ़ गया कि ये तो 10 साल से मेरी दुकान में नौकर था, मैनेजर था। मैनेजर नौकर होता है या मालिक होता है? नौकर होता है। तो ये अहंकार चढ़ गया ये तो मेरा नौकर है। अरे, ज्ञान में नौकर-वौकर थोड़े ही देखा जाता है।

Time: 39.17-40.11

Student: As long as Brahma Baba was alive he did not know the form of God, did he?

Baba: Yes.

Student: So, how will Brahma Baba know that this is the form of God?

Baba: Is it God who gives knowledge or is it a demon who gives knowledge?

Student: God.

Baba: So, from whom did he get knowledge?

Student: From God.

Baba: Then? He too got knowledge from God Himself but because of body consciousness he forgot that topic. He became body conscious that this person was a servant, a *manager* at my shop for 10 years. Is a *manager* a servant or an owner? He is a servant. So, he felt egotistic that this person is my servant. *Arey*, it is not seen whether someone is a servant or not in knowledge.

(समय:-00:40:16-00:41:17)

जिज्ञासु – सुनना बड़ी बात नहीं है, समझना बड़ी बात नहीं है लेकिन धारण करना बड़ी बात है।

बाबा – समझेंगे ही नहीं तो धारण कर लेंगे?

जिज्ञासु – लेकिन ब्रह्मा बाबा ने बहुत कुछ धारण किया ना।

⁷ The one who performs actions in the remembrance of God

बाबा – बहुत कुछ धारण किया तब तो अक्वल नंबर नारायण बन जाना चाहिए। फिर तो नर नारायण बन जाना चाहिए। बाबा ने डायरेक्शन दिया है नर नारायण बनने का या नर से प्रिंस बनने का?

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा – तो इसलिए नंबर दो हो गये। अगर सौ प्रश्नों का प्रश्न पत्र हो और एक जवाब लिखने वाला सौ का सौ प्रश्नों का जवाब सही दे दे और दूसरा विद्यार्थी परीक्षा देने वाला ऐसा जिसने 99 प्रश्नों का सही जवाब दिया, एक का गलत दे दिया तो अक्वल नंबर कौन हुआ? जो सौ का सौ जवाब सही दे वही अक्वल नंबर हुआ।

Time: 40.16-41.17

Student: To listen [to the knowledge] is not a big deal, to understand it is not a big deal either, but to assimilate it is a big deal.

Baba: Can anyone assimilate if he does not understand at all?

Student: But Brahma Baba assimilated [the knowledge] to a great extent, didn't he?

Baba: If he assimilated to a great extent, he should become the No.1 Narayan. Then he should become Nar-Narayan (the one who becomes Narayan from a man). Has Baba given a *direction* to change from a man to Narayan or from a man to *prince*?

Student said something.

Baba: This is why he is No.2. If there is a question paper of hundred questions and an examinee gives correct answers to all the hundred questions and there is another student who gives correct answers to 99 questions, and wrong answer to one question, then who will be No.1? The one who gives correct answers to all the hundred questions will be No.1.

(समय:—00:41:44—00:42:58)

जिज्ञासु – एक बात में ब्रह्मा बाबा गधा है?

बाबा – एक बात में क्यों? सैकड़ों बातें बतायेंगे तुम्हें। साढ़े चार लाख बातें बतायेंगे। साढ़े चार लाखवाँ जो विद्यार्थी है सूर्यवंश का वो अक्वल नंबर लेने वाला है और साढ़े चार लाखवें के बाद जो पहला नंबर लेने वाले हैं वो ब्रह्मा बाबा है तो श्रेष्ठ कौन हुआ? साढ़े चार लाखवाँ नम्बर वाला श्रेष्ठ हो गया।

जिज्ञासु – ऐसी गलती करने वालों का ब्रॉड ड्रामा में क्या पार्ट होगा?

बाबा – यही पार्ट होगा कि अगले जन्म में नंबर लेंगे। जो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ जन्म है ईश्वरीय जन्म उसमें नम्बर नहीं लेंगे और उनके फालोअर क्या होगा?

जिज्ञासु – वही हाल होगा।

बाबा – वही हाल कहाँ से होगा?

जिज्ञासु – उनके बच्चे बनेंगे।

बाबा – हाँ।

Time: 41.44-42.58

Student: Is Brahma Baba a donkey because of one mistake?

Baba: Why one mistake? We can tell you hundreds of mistakes. We can tell you four hundred thousand mistakes. The four hundred thousandth student belonging to the Sun dynasty achieves the No.1 position and the number next to the four hundred thousandth [student] is Brahma Baba; so who is more elevated? The four hundred thousandth [student] is more elevated.

Student: What will be the part in the *broad drama* of those who make such mistake?

Baba: They will have a *part* to achieve *number* in the next birth. They will not achieve a *number* in the most elevated Divine birth and what will be the fate of his *followers*?

Student: They will have the same fate.

Baba: How will they have the same fate?

Student: They will become his children.

Baba: Yes.

समय—43.16—43.54

जिज्ञासु—राजधानी स्थापन होनी है तो कितने लोग भाग लेंगे दिल्ली में?

बाबा—राजधानी जमाने में? राजधानी स्थापन करने में? 16108 भी भाग लेंगे। 16108 प्रैक्टिकल होंगे या प्रवेश करने वाले होंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, माला जो बनती है, जो माला यादगार बनी हुई है वो प्रैक्टिकल है या सिर्फ हवा-2 में है? प्रैक्टिकल है।

Time: 43.16-43.54

Student: The capital is to be established, so how many people will participate in it in Delhi?

Baba: In making the capital firm? In establishing the capital? The 16108 will also participate in it. Will the 16108 be present in practice or will they enter [someone]? (Student said something.) Yes, the rosary that is made, the rosary that is the memorial, is it present in practice or is it fictitious?

(समय:—00:48:47—00:50:04)

जिज्ञासु – बीमार मनुष्य अंदर से तो दुःखी रहता है तो क्या वो तीव्र पुरुशार्थ कर सकता है?

बाबा – क्यों नहीं कर सकता? क्यों? बीमार हमेशा ये याद रखे कि हम धर्मराज की सजाओं से बच रहे हैं। जो बीमार नहीं रहते हैं, पापकर्म करते जाते हैं, सौ गुना पाप का बोझा चढ़ाते जा रहे हैं उनसे हम श्रेष्ठ हैं। बीमारी से भी धर्मराज की सजाओं से बचा जाता है। ये कर्म भोग हम तीव्र गति से भोगते हैं बीमारी में और बीमारी में ज्यादा टाईम मिलता है याद करने का कि स्वस्थ रहते समय ज्यादा टाईम मिलता है?

जिज्ञासु – बीमारी में ज्यादा।

बाबा – बीमारी में। पड़े रहो आराम से, याद करते रहो। दवाई, आजकल तो दवाईयाँ ऐसी निकली हैं एलौपैथी में... एलौपैथी ने एक ही बात में विजय प्राप्त की है सौ परसेन्ट दर्द बंद कर दिया। बड़े से बड़ा ऑपरेशन करेंगे दर्द पता ही नहीं चलेगा। तो कितने भी बीमार हो जाओ गोलियाँ गटागट खाते जाओ दर्द होगा नहीं। जब दर्द ही है तुमको महसूस नहीं हो रहा है तो तुम बाबा की याद नहीं कर सकते? कर सकते हैं।

Time: 48.47-50.04

Student: A sick person remains unhappy from within; so can he make intense *purushaarth*?

Baba: Why not? Why? A sick person should always remember: 'I am avoiding Dharmaraj's (the Chief Justice's) punishments. I am greater than those who are not sick, those who go on committing sins, who go on accumulating burden of sins'. One can avoid punishments of Dharmaraj through diseases as well. 'I suffer *karma bhog* (karmic suffering) quickly being ill'. And do you get more *time* to remember [Shivbaba] in illness or do you get more *time* when you are healthy?

Student: In illness.

Baba: In illness. Keep lying and remember [Shivbaba] comfortably. Nowadays such medicines have come up in *allopathy*... *allopathy* has gained 100% victory only on one thing; it has stopped pain. They will perform the biggest *operation*, but you will not feel any pain at all. So, howevermuch sick you may fall, go on gobbling tablets, you will not feel any pain. When you are not feeling any pain at all, then can't you remember Baba? You can.

(समय:-00:51:52-00:53:18)

जिज्ञासु – बाबा, जिसको दवा काम नहीं करती?

बाबा – दवा काम नहीं करती तो भूत-प्रेत आता होगा।

जिज्ञासु – थोड़ा भी नहीं काम करती...

बाबा – हाँ, जहाँ दवाईयाँ काम नहीं करती हैं, जहाँ मशीनें, कोई भी इलाज कराने जाओ, टेस्ट कराओ मशीनें कहती हैं नॉर्मल-4, तो भूत-प्रेत काम कर रहा है समझ लो। भूत-प्रेत जहाँ काम करेंगे तो वहाँ कुछ भी पता नहीं चलता है कि कौनसी बीमारी है और न उसका इलाज का पता चलेगा। ये तो जो भूत वैद्य है वही थोड़ा बहुत इलाज कर सकते हैं और बड़े ते बड़ा भूत वैद्य तो, बड़े ते बड़ा भूत वैद्य तो शिवबाबा है।

जिज्ञासु – ...बहुत दूर है।

बाबा – शिवबाबा बहुत दूर है?

जिज्ञासु – शिवबाबा तो नज़दीक है।

बाबा – तो फिर उसी को याद करो।

जिज्ञासु – बंधन में है। घर वाले नहीं मानते हैं तो...

बाबा – अरे, मन थोड़े ही बंधन में होता है। शरीर बंधन में हो सकता है, बाल-बच्चे बंधन में हो सकते हैं, धन बंधन में हो सकता है, कर्मेन्द्रियाँ बंधन में हो सकती हैं लेकिन मन तो बंधन में होता ही नहीं। मन किसी के बंधन में नहीं आता।

Time: 51.52-53.18

Student: What about the one in whose case medicine doesn't work?

Baba: The medicine doesn't work? Then some ghost or spirit must be entering.

Student: It doesn't work even a little...

Baba: Yes, when medicines don't work, when the machines... go for any treatment, any *test* and the machines say that everything is *normal, normal, normal, normal*. So, you can think that ghosts and spirits are at work. When ghosts and spirits work, you don't come to know anything about what disease you have and you won't come to know of its treatment either. These *bhuut vaidya* (people who practice black magic) can treat them to some extent and the biggest *bhuut vaidya* is Shivbaba.

Student... is very far away.

Baba: Is Shivbaba very far away?

Student: Shivbaba is near.

Baba: So, then remember Him alone.

Student: I am in bondage. My family members don't listen...

Baba: *Arey*, the mind is not in bondage. The body can be in bondage, the children can be in bondage, the wealth can be in bondage, the *karmendriyaan* can be in bondage, but the mind doesn't remain in bondage. The mind does not remain in anyone's bondage.

(समय:-00:53:31-00:53:56)

जिज्ञासु – बाबा, मुरली में बोला है—मन जीते जगत जीत और माया जीते जगत जीत और काम जीते जगत जीत।

बाबा – ठीक है।

जिज्ञासु – ये तीनों बात एक ही हैं?

बाबा – एक ही हैं। काम वासना मन के संकल्पों के बिगर आयेगी क्या? और माया आयेगी तो पहले संकल्पों में आयेगी कि सीधे—2 कर्म में आ जायेगी?

जिज्ञासु – संकल्पों में।

बाबा – तो तीनों बातें एक ही हैं।

Time: 53.31-53.56

Student: Baba, it is explained in the murlis: By conquering the mind you conquer the world, by conquering Maya you conquer the world and by conquering lust you conquer the world.

Baba: It is correct.

Student: Are all the three topics same?

Baba: They are the same. Will the feeling of lust arise without the thoughts of the mind? And when Maya comes, will she first come in thoughts or will she directly come in actions?

Student: Thoughts...

Baba: So, all the three topics are one and the same.

(समय:-00:54:31-00:55:05)

जिज्ञासु – बाबा, जो ब्रह्मा बाबा ने 12 गुरु किए थे वो बेहद में कौन-2 है?

बाबा – बेहद में जो सूर्यवंशी 12 आत्मायें हैं वही उनके 12 गुरु हैं। 12 आत्मायें सूर्यवंश में हैं या नहीं माला में? 9 गुप हैं ना 9 धर्मों के? तो पहला जो गुप है वो सूर्यवंश का है। ब्रह्मा बाबा चंद्रवंश के हैं मुखिया। तो अपने से नीचे वाले को गुरु करेंगे या ऊपर वाले को करेंगे? ऊपर वालों को ही गुरु करेंगे।

Time: 54.31-55.05

Student: Baba, Brahma Baba had 12 gurus, didn't he? ...who are they in the unlimited?

Baba: The 12 *Suryavanshi* souls themselves are his 12 gurus in the unlimited. Are there 12 souls in the rosary in the Sun dynasty or not? There are nine groups of nine religions, aren't there? So, the first *group* is of the Sun dynasty. Brahma Baba is the head of the Moon dynasty. So, will he accept someone lower than him as his guru or someone higher than him? He will make only those who are higher than him his guru.

(समय:-00:57:47-00:59:05)

प्रश्न – मुरली में आया है कि प्रदर्शनी में पहले-2 त्रिमूर्ति पर समझाना है। ये तुम्हारा बाबा है, ये तुम्हारा दादा है। तो बाबा इस वाक्य में तुम्हारा बाबा यह और वो दादा है ये किसको लागू होता है? समझाये बाबा।

बाबा-बताओ, कौन बतायेगा? त्रिमूर्ति में जब समझाते हैं तो समझाना चाहिए कोई को भी कि ये तुम्हारा बाबा है, ये तुम्हारा दादा है। तो कौन बाबा है त्रिमूर्ति में और कौन दादा है?

जिज्ञासु – दादा तो ब्रह्मा बाबा है।

बाबा – दादा तो ब्रह्मा बाबा है क्योंकि पहला बच्चा है। जब नई सृष्टि सतयुग शुरू होती है तो सतयुगी सृष्टि का पहला बच्चा कौन है, पहला पत्ता?

जिज्ञासु – कृष्ण बच्चा।

बाबा – कृष्ण वाला बच्चा वो हमारा सबका दादा है मनुष्य सृष्टि का और सारी मनुष्य सृष्टि का बाबा कौन है?

जिज्ञासु – शंकर, प्रजापिता...

बाबा – जो राम वाली आत्मा है, शंकर के रूप में पार्ट बजाने वाली आत्मा है वो हम सबका बाबा है।

Time: 57.47-59.05

Question: It has been mentioned in the murli that first of all you have to explain on [the picture of] the Trimurty in the exhibition. [You should tell them:] This is your Baba and this

is your dada. So, Baba, to whom does 'this is your Baba' and 'that one is dada' apply? Please explain Baba.

Baba: Tell, who will answer? When you explain the Trimurty, then you should explain to anyone: This is your Baba; this is your dada. So, who is Baba in Trimurty and who is dada?

Student: Dada is Brahma Baba.

Baba: Dada is Brahma Baba because he is the first child. When the new world, the Golden Age begins, then who is the first child, the first leaf of the Golden Age world?

Student: Child Krishna.

Baba: Child Krishna is dada of all of us, of the human world and who is Baba of the entire human world?

Student: Shankar, Prajapita...

Baba: The soul of Ram, the soul playing a *part* in the form of Shankar is Baba for all of us.

(समय:-00:59:38-01:00:57)

प्रश्न – गृहस्थी वालों को आठ घंटा सेवा करना है। तो सेवा के लिस्ट में क्या-2 आता है? बाबा-याद करेंगे बैठ के वो भी सेवा के लिस्ट में आता है क्योंकि उससे वातावरण शुद्ध होता है। कोई भी आत्मार्ये देखने में आती हैं उनको शुद्ध दृष्टि से देखो, शुभ वायब्रेशन से देखो ये भी सेवा है। कोई भी आत्माओं से कर्मेन्द्रियों के सम्बन्ध में, सम्पर्क में आते हैं तो उनको सुख मिले सदाकाल का; दुःख, दुःख न मिले ऐसे कर्मेन्द्रियों से कर्म करो ये भी सेवा है। वाचा चलाते हैं तो ऐसे बोल बोलो जो दूसरों को लगे कि हमारे ऊपर फूल गिर रहे हैं, हमें बहुत सुख मिल रहा है और सदाकाल का सुख मिल रहा है तो वो भी सेवा है। तो मन्सा सेवा करो या वाचा सेवा करो या कर्मेन्द्रियों से कर्मणा सेवा करो, तन से सेवा करो, धन से सेवा करो ये सब प्रकार की सेवा, सेवा की लिस्ट में आती है।

Time: 59.38-01.00.57

Question: The householders have to do service for eight hours. So, what all is included in the *list* of service?

Baba: If you sit and remember [Baba], then that is also included in the *list* of service because it purifies the atmosphere. If you see any soul, see them with a pure vision, with pure vibrations, this is also a service. If you come in relationship or contact with any soul through the *karmendriyaan*, he should get happiness forever; he should not get sorrow. You should perform such actions through the *karmendriyaan*. This is service, too. When you speak, speak such words through which the others feel that flowers are being showered on them; they are getting a lot of happiness and they are getting happiness forever; then that is also service. So, whether you do service through the mind, through the words or you do physical service through the *karmendriyaan*, whether you do service through the body or through the wealth, all these kinds of service are included in the *list* of service.

(समय:-01:02:00-01:02:44)

जिज्ञासु – लॉ हाथ में नहीं उठाने की बात कैसे लागू होती है?

बाबा – वो ऐसे ही लागू होती है कि किसी को दंड देना ये हमारा काम है, ज्ञानियों का काम है या दंड देना धर्मराज का काम है?

जिज्ञासु – धर्मराज का काम।

बाबा – धर्मराज का काम है।

जिज्ञासु – सामना करना माना कैसे?

बाबा – सामना आँखों से भी किया जाता है। लाल-2 आँखे कर के दिखा दी मोटी-2, गोल-2। कर्मेन्द्रियों से भी ऐसे कर्म किये जिससे दूसरे को दुःख हो जाये वो भी सामना

करना है। बातों से ऐसी बात बोल दी जिससे दूसरों को कचोट जाये, दुःख लग जाये। तो ये सामना करने वाली बातें हैं सब।

Time: 01.02.00-01.02.44

Student: It is said that someone should not take the law into his hands; how does it apply to us?

Baba: It applies in this way... is it our task, is it the task of knowledgeable ones to punish someone or is it the task of Dharmaraj (the Chief Justice) to punish someone?

Student: It is the task of Dharmaraj.

Baba: It is the task of Dharmaraj.

Student: How do we confront?

Baba: Someone can confront even through the eyes. If he turns his eyes red, big, round (glares angrily at someone), if he performs such actions through the *karmendriyaan* that give sorrow to others, then that is also called confrontation. If he speaks such topics through the words that give pain to others, that give sorrow, then all this is included in confrontation. (Concluded.)